उपराष्ट्रपति, भारत

<u>संदेश</u>

मैं भगवान महावीर के जन्म के उपलक्ष्य में मनायी जाने वाली महावीर जयंती के पावन अवसर पर समस्त देशवासियों को बधाई देता हूं।

भगवान महावीर का जीवन और उनकी शिक्षाएं ऐसे प्रकाश स्तंभ हैं जो मानवजाति का मानववाद, अहिंसा और सार्वभौमिक प्रेम की राह पर चलने के लिए मार्गदर्शन करते हैं। उनकी शिक्षाओं में समाज को बदलने तथा मानव जाति को अज्ञानता, हिंसा एवं नैतिक पतन की बेड़ियों से मुक्त करने की शक्ति है।

आइए हम भगवान महावीर की ज्ञानवर्द्धक शिक्षाओं को आत्मसात करें जिनसे शांतिपूर्ण एवं सामंजस्यपूर्ण समाज के निर्माण का मार्ग प्रशस्त होगा।

ह./-

(मो. हामिद अंसारी)

नई दिल्ली;
15 अप्रैल, 2008